दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B ++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

पत्रांक : /2023–24 दिनांकः 09.05.2023

प्रकाशनार्थ

दिनांक 09.05.2023 गोरखपुर। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के तत्वावधान में आयोजित **वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती** का आयोजन किया गया। जिसमें **मुख्य अतिथि प्रो. राम अचल सिंह, पूर्व कुलपति, अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद** ने कहा कि महाराणा प्रताप के देश प्रेम राष्ट्र प्रेम से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कमजोरी के क्षण को जीतने वाला व्यक्ति ही जीवन में सफल होता है। महाराणा प्रताप ने इस बात को समझा और अपने कमजोर पहलुओं को दूर करते हुए मुगल आधिपत्य से अपने को मुक्त किया। उन्होंने राष्ट्र प्रेम और स्वाभिमान का एक ऐसा आदर्श स्थापित किया जो हम सबके लिए अनुकरणीय है। आज उनकी जयंती पर उनके द्वारा स्थापित आदर्शो एवं मूल्यों पर चलकर एक सशक्त राष्ट्र की स्थापना की जा सकती है। महाराणा प्रताप के जीवन के विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस के कारण तत्कालीन मुगल शासक अकबर के प्रलोभन एवं आधिपत्य को अस्वीकार कर राष्ट्रभक्ति की एक मिशाल कायम किया और अपने देश का सम्मान बढ़ाया। आज प्रत्येक भारतवासी के लिए उनके स्वाभिमान की गाथा प्रेरणास्रोत के रूप में है।

विशिष्ट अतिथि मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलपति, महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय, बालापार, गोरखपुर ने अपने सम्बोधन में कहा कि निराशा एवं राष्ट्र के प्रति जिज्ञासा के समय में उत्साह एवं वीरता के साथ स्वयं को देश के प्रति समर्पित महाराणा प्रताप का युद्ध कौशल हमारे लिए अनुकरणीय है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे **प्रो. यू.पी.सिंह, अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर** ने महाराणा प्रताप की जयंती पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप विराट व्यक्तित्व के धनी थे और उनके देश प्रेम को ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने अनुकरण करते हुए 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की। आज यह संस्था अपने विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से श्रेष्ठ नागरिकों का निर्माण कर रही है। जो हमारे राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि हमें राष्ट्र को सांस्कृतिक इकाई के रूप में समझना चाहिए।

अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर महाराणा प्रताप को शौर्य, स्वाभिमान एवं समरसता की त्रिवेणी बताया और कहा कि इतिहास में ऐसे कम ही महापुरुष हैं जिनका शौर्य निर्विवाद है और राष्ट्रभक्ति अनुरणीय एवं प्रामाणिक है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह ने किया।

उक्त अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री प्रमथनाथ मिश्र, डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व प्राचार्य, दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज, गोरखपुर, डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्रो. परीक्षित सिंह, समन्वयक, आई.क्यू.ए.सी., प्रो. सत्येन्द्र प्रताप सिंह, प्रो. गीता सिंह, प्रो. अरूण कुमार तिवारी सहित विभिन्न संस्थाओं के संस्था प्रमुख सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित थे।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क